भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3577

10 दिसम्बर, 2019 को उत्तरार्थ

विषय: मृदा-क्षरण

3577. श्रीमती सुमलता अम्बरीशः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि बाढ़ के कारण मृदा-क्षरण एक गंभीर चिंता है क्योंकि कर्नाटक सहित देश में इसके कारण लाखों हेक्टेयर भूमि प्रभावित होती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि मिट्टी की उत्पादकता के क्रमिक नुकसान का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ सकता है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने संभावित नुकसान को रोकने और मृदा-क्षरण के समाधान के लिए कोई शोध किया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेंद्र सिंह तोमर)

(क) एवं (ख) वर्ष 2010 में रिपोर्ट किए गए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के पास उपलब्ध आकलनों के अनुसार, कुल भौगोलिक 328.73 मिलियन हेक्टे. क्षेत्र में से कर्नाटक सहित देश में विभिन्न प्रकार के भू-क्षरण द्वारा लगभग 120.40 मिलियन हेक्ट. क्षेत्र प्रभावित हुआ है। इसमें जल एवं वायु अपरदन (94.87 मिलियन हेक्ट), जलग्रस्त (वाटर लॉगिंग) (0.91 मिलियन हेक्टे.), मृदा क्षारीयता/सोडिसिटी (3.71 मिलियन हेक्टे.), मृदा अम्लीयता (17.93 मिलियन हेक्टे.), मृदा लवणता (2.73 मिलियन हेक्टे.) तथा खनन एवं औद्योगिक अपशिष्ट (0.26 मिलियन हेक्टे.) शामिल है। तथापि, बाढ़ के कारण क्षरण के संबंध में कोई भी आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

(ग) देश की क्षरण हुई भूमि के गंभीर रूप से प्रभावित पॉकेट में उत्पादकता में कुछ नुकसान हो सकता है। तथापि, सरकार द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों के कारण देश में खादयान्न उत्पादन वर्ष 2014-15 में 252.02 एम.टन से बढ़कर वर्ष 2018-19 (चतुर्थ अग्रिम आकलन) में 284.95 एम टन हो गया है। इसलिए अर्थव्यवस्था पर कोई अधिक प्रभाव नहीं पड़ा है।

(घ) एवं (ड.) भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान (आईआईएसडब्ल्यूसी), देहरादून के माध्यम से आईसीएआर ने जल कटाव के कारण होने वाले मृदा नुकसान को कम करने के लिए मृदा एवं जल संरक्षण के विभिन्न स्थान विशिष्ट जैव-अभियांत्रिकी उपाय विकसित किए हैं। इसके अलावा आईसीएआर फील्ड कार्यकर्ताओं एवं किसानों की सहभागी पनधारा प्रबंधन पर तकनीकी सहायता प्रदान कराता है तथा नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है।

******